अंक - 2

अप्रैल-जून, 2025

दिग्दर्शिका

पुनर्वास एवं अनुसन्धान संस्थान

भोपाल, मध्य प्रदेश

www.digdarshika.com

दिग्दर्शिका : परिचय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दिग्दर्शिका, अंधकार से प्रकाश की ओर, मानसिक अस्वस्थता से स्वस्थता की ओर जाने वाली, अनवरत, प्रगतिशील, पथ प्रदर्शिका, रॉय दम्पति की कल्पनाओं और सद्इच्छाओं का साकार रूप है ।

दिग्दर्शिका की स्थापना फरवरी 1989 में हुई। दिग्दर्शिका विगत 35 वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य एवं बौद्धिक दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रही है । जीवन का दर्शन, इस दिग्दर्शिका के काले - सफेद अर्ध गोलाकार आकृति यिन - यांग की अवधारणा पर आधारित है, जिसे चीन की पौराणिक किताबों से, अपने प्रतीक के रूप में है । यह प्रतीक दर्शाता हैं कि, प्रकाश और अंधकार सदैव के लिये नहीं रहते, घोर अंधकार के गर्भ में एक नन्हा प्रकाश पुंज विद्यमान रहता है, ठीक इसके विपरीत चौंधिया देने वाले प्रकाश के गर्भ में अंधकार एकत्र होता है। इनके बीच निरंतर तारतम्यता बनी रहती है, जो एक दूसरे के अस्तित्व और महत्व को बनाए रखते हैं । व्यक्ति जिनमें मानसिक अक्षमता, अस्वस्थता एवं अन्य संबंधित अवस्थाएँ हैं, उनके लिए बेहतर जीवन के अवसर प्रदान करना । दिग्दर्शिका का मानना है कि किसी भी विस्तृत उद्देश्य को पूरा करने के लिये यह आवश्यक नही है, कि हम स्वयं ही सभी जगह उपलब्ध रहें, वरन् उद्देश्य प्राप्ति का सर्वाधिक उपयुक्त उपाय है, मानव संसाधन । कल्पना कीजिए जब अनेक मस्तिष्क के विचार और अनेक हाथ मिलकर एक ही दिशा में अग्रसर होंगे तो लक्ष्य प्राप्ति कितनी सहज होगी । संस्था का उद्देश्य है, कि यह मिशन मानव श्रृंखला द्वारा ही पूर्ण हो ।

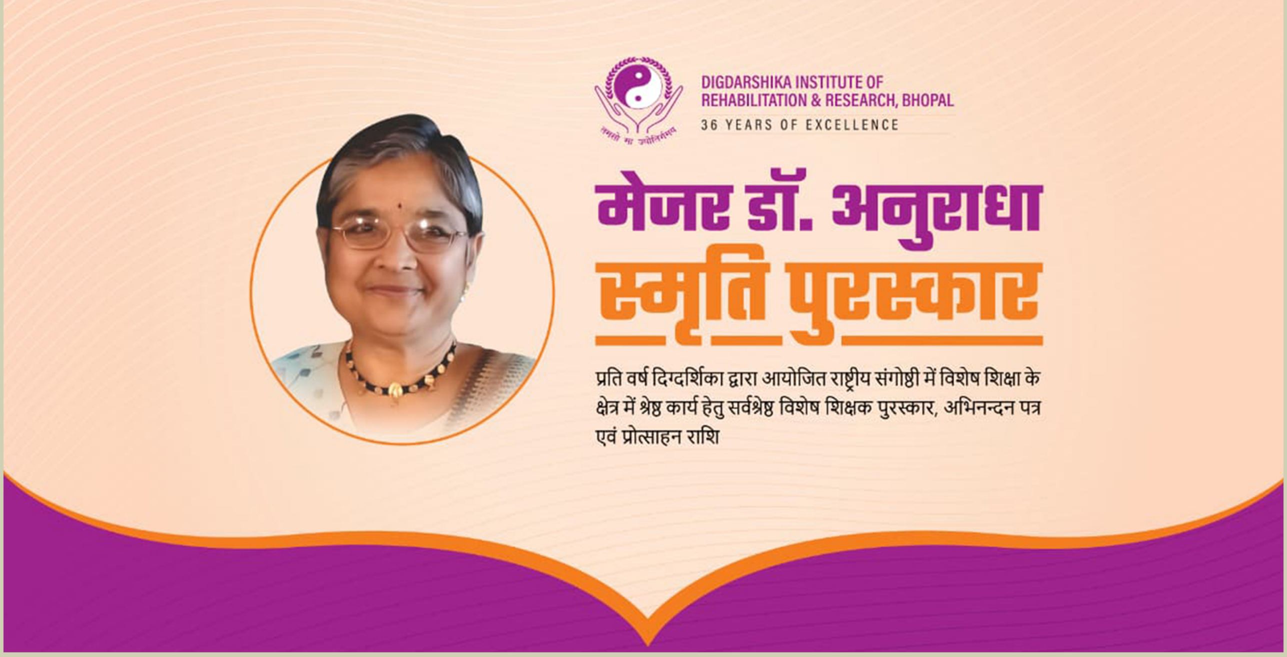

डॉ. मेजर अनुराधा स्मृति पुरस्कार

- दिग्दर्शिका पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल द्वारा 01 एवं 02 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में घोषणा की गई कि दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों को उनकी योग्यता, अनुभव, कार्यशैली, नवाचार पर उनके समर्पण भाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डॉ. मेजर अनुराधा स्मृति पुरस्कार वर्ष 2026 से आरंभ किया जायेगा। जिसमें इस वर्ष (2025) बौद्धिक अक्षमता (ID) के क्षेत्र में म.प्र. में कार्यरत विशेष शिक्षकों के आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाएँगे । इस माह इस पुरुस्कार की रूपरेखा पर परिचर्चा की गयी !

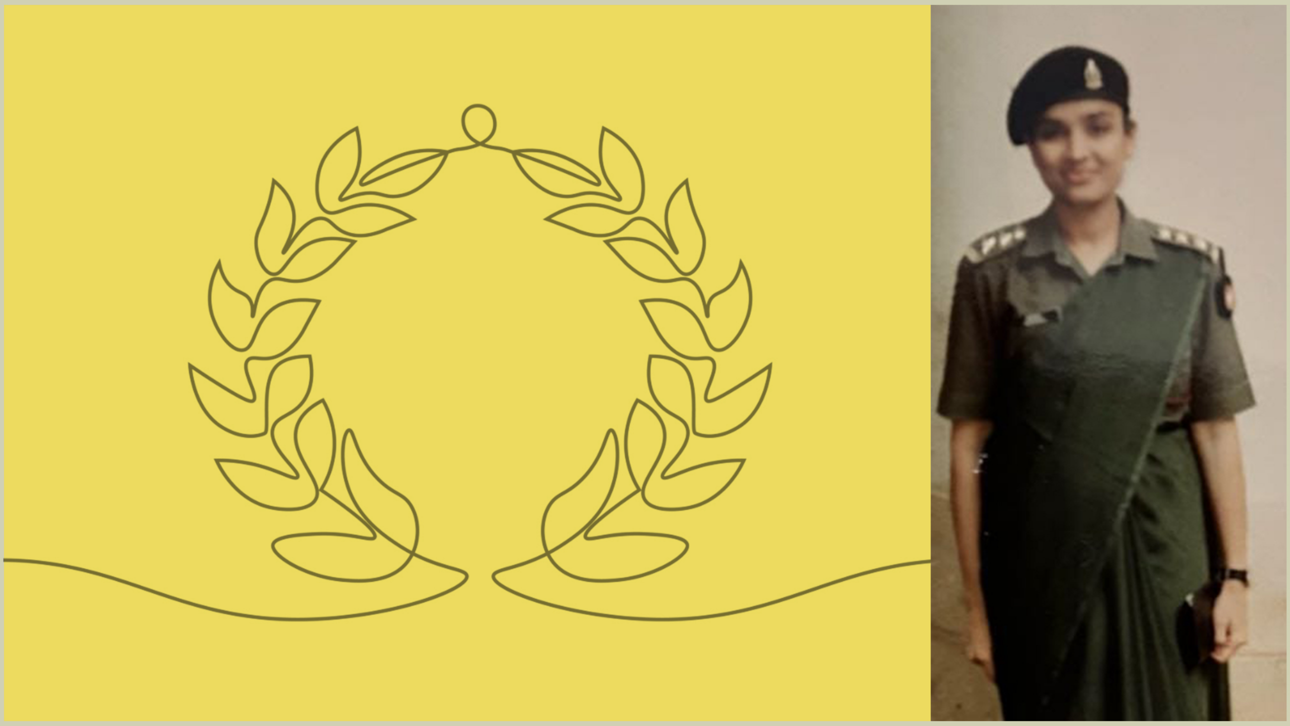

दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कालेज

- डी. एड., विशेष शिक्षा के सत्र 2024 - 26 के प्रथम वर्ष एवं सत्र 2023-25, द्वितीय वर्ष की आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षा दिनांक 02 से 07 अप्रैल 2025 तक आयोजित की गई।

- डी. एड. विशेष शिक्षा सत्र 2024 - 26 के प्रथम वर्ष एवं सत्र 2023-25, द्वितीय वर्ष की आंतरिक प्रायोगिक परीक्षा की आंतरिक प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 01 से 02 मई 2025 को संपन्न कराई गई।

दिग्दर्शिका ट्रेनिंग कालेज

- डी. एड., विशेष शिक्षा, सत्र 2024 - 26, प्रथम वर्ष एवं सत्र 2023 - 25, द्वितीय वर्ष की बह्य प्रायोगिक परीक्षा, दिनांक 05 से 10 जून 2025 तक आयोजित की गई।

- बी.एड. विशेष शिक्षा, सत्र 2023 - 25, चतुर्थ सेमेस्टर की 09 से 10 जून 2025 तक आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षा आयोजित की गई।

- दिनांक 20 से 27 जून 2025 को प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षा एवं दिनांक 20 से 28 जून 2025 को द्वितीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा संपन्न हुई। इसी के साथ डी. एड., विशेष शिक्षा का सत्र 2023-25 पूर्ण हुआ ।

- दिनांक 11 से 16 जून 2025 को चतुर्थ सेमेस्टर की सैद्धांतिक परीक्षा संपन्न हुई। इसी के साथ सत्र 2023–25 बी.एड. विशेष शिक्षा का सत्र पूर्ण हुआ ।

- दिग्दर्शिका द्वारा संचालित म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र 1720 में बी. एड. विशेष शिक्षा प्रथम वर्ष सत्र 2024-27 की प्रथम संपर्क कक्षाएं, दिनांक 11 जून से 10 जुलाई 2025 तक आयोजित की गई।

• योग दिवस, 21 जून, 2025 के अवसर पर दिग्दर्शिका के समस्त स्टाफ, प्रशिक्षणार्थीयों एवं विशेष बच्चों / व्यक्तियों द्वारा सुश्री रेनु सबरवाल के निर्देशन मे योग कराया गया ।

मंथन कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न

नागदा जं. (निप्र)। बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगजनों के लिए डिजिटल नवाचार पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला मंथन का मंगलवार को मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में भव्य समापन हुआ।

इस कार्यशाला का आयोजन परिवार, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एनआईसीएसआई तथा एमएएनयूयू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। कार्यशाला में देशभर के 27 राज्यों से आए 72 विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें विशेष शिक्षक, चिकित्सक, नीति निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ और अभिभावक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे ।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों द्वारा पूर्व दिवस की समूह चर्चाओं के निष्कर्षों की प्रस्तुति से हुई। प्रत्येक समूह ने चुनौतीपूर्ण व्यवहार, प्रारंभिक हस्तक्षेप, यौन शिक्षा, आत्म-अधिकारिता, मानसिक स्वास्थ्य, व्यवसायिक प्रशिक्षण और परिवार सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आधारित डिजिटल सामग्री विकसित करने हेतु गहन सुझाव दिए। विशेषज्ञों ने साझा किया कि किस प्रकार एआर/वीआर और 2डी एनिमेशन तकनीकों का उपयोग कर दिव्यांगजनों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक और व्यवहारिक बनाया जा सकता है।

समापन समारोह में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर निदेशक डॉ. संतोष कुमार पांडे, परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पंकज मारू, एवं एमएएनयूयू के स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के डीन एवं परियोजना प्रमुख प्रो. अब्दुल वहीद के करकमलों द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और एमएएनयूयू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। दिव्यांग सारथी परियोजना को देश के कम से कम 15 लाख बौद्धिक दिव्यांगजनों तक पहुंचाने का संकल्प पारित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. पंकज मारू, राष्ट्रीय अध्यक्ष, परिवार ने कहा कि मंथन अब केवल एक कार्यशाला नहीं रहा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय स्तर का आंदोलन बन चुका है जो तकनीक को संवेदना के साथ जोड़कर दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा। कार्यशाला का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

•बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगजनों के लिए "डिजिटल नवाचार" पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, मंथन दिनांक 23 से 24 जून 2025 को हैदराबाद में मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। कार्यशाला में देशभर की 27 राज्यों से आए 72 विशेषज्ञों ने भाग लिया इस कार्यशाला में दिग्दर्शिका की कार्यकारी निदेशक श्रीमती उषा उपाध्याय उपस्थित रहीं ।

दिग्दर्शिका विशेष विद्यालय कार्यक्रम

- सभी विशेष विद्यार्थियों ने दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कलरव (कल्चरल इवेंट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन) रविंद्र भवन में अपनी अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें मिस्टी आमले को एकल नृत्य में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- विश्व पर्यावरण दिवस - 05 जून, 2025 के उपलक्ष्य पर सभी विशेष विद्यार्थियों द्वारा पौधरोपण किया गया ।

- सभी विशेष विद्यार्थियों एवं स्टाफ को दिनांक 25 जून, 2025 को लायन्स क्लब द्वारा आशिमा मॉल में "सितारे जमीं "पर फिल्म दिखाई गई सभी बच्चों ने बहुत उत्साह से ये फिल्म को देखा और एन्जॉय किया।

दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला

• विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अप्रैल से जून माह 2025 के मध्य दिग्दर्शिका संरक्षित कार्यशाला में कार्यरत विशेष व्यक्तियों द्वारा मृगनयनी एंपोरियम के पेपर बैग तैयार किए गए एवं पेपर दोना बनाने का कार्य संपन्न किया गया।

बधिरान्ध परियोजना भोपाल / सीहोर

• अप्रैल से जून माह 2025 तक भोपाल जिले के चिन्हित BPL कार्डधारकों की गतिविधियां-

• 13 सेवा लाभार्थीयों को प्रति माह पोषक आहार वितरित किया गया ।

• 12 सेवा लाभार्थीयों को प्रति माह दवाई प्रदान की गई।

• 30 सेवा लाभार्थीयों (जो केन्द्र पर नही आ सकते) उन्हे प्रति माह उनके घरों में फिजियोथैरेपी एवं विशेष शिक्षा की सेवाएं प्रदान की गई।

15 सेवा लाभार्थीयों को प्रतिदिन केंद्र में फिजियोथैरेपी एवं विशेष शिक्षा की सेवाएं प्रदान की गई।

• विशेष शिक्षक एवं फिल्ड कार्यकर्ता द्वारा भोपाल की 20 आंगनबाड़ियों का भ्रमण (visit) किया गया एवं लाभार्थी चिन्हित किये गयें।

- दिनांक 23 से 25 जून 2025 तक सुश्री जिगना जोशी (प्रोजेक्ट मैनेजर, ब्लाइंड पीपल एसोसियेशन) द्वारा मॉनिटरिंग सपोर्ट विजिट की गई।